जयशंकर तीन दिनों की यात्रा के पहले चरण में नीदरलैंड पहुंचे

भाषा। हेग

विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से नीदरलैंड के नेतृत्व के साथ वार्ता करने के लिए सोमवार को यहां पहुंचे। वह तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में नीदरलैंड पहुंचे हैं, जिसके बाद वह डेनमार्क और जर्मनी जाएंगे। भारत और पाकिस्तान के सशस्त्र बलों के बीच चार दिनों के सैन्य टकराव के बाद जयशंकर की यह पहली विदेश यात्रा है। हेग स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर आज आधिकारिक यात्रा पर नीदरलैंड पहुंचे। उनका स्वागत राजदूत कुमार तुहिन और नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय की प्रोटोकॉल निदेशक गैब्रिएला सैंसिसी ने किया। इस यात्रा से भारत-नीदरलैंड संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा। जयशंकर तीनों देशों के नेतृत्व से मिलेंगे तथा द्विपक्षीय संबंधों एवं परस्पर हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों के संपूर्ण पहलुओं पर अपने समकक्षों के साथ चर्चा करेंगे। ऐसी उम्मीद है कि जयशंकर तीनों देशों के विदेश मंत्रियों को पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के भारत के फैसले से भी अवगत कराएंगे।

उकसावे की कार्रवाई से हम नहीं डरने वाले:पुर्तगाल में पाकिस्तानी विरोध के बाद भारतीय मिशन ने कहा

लिस्बन। पुर्तगाल स्थित भारतीय दूतावास ने यहां उसके चांसरी भवन (कार्यालय) के बाहर एक पाकिस्तानी समूह द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जाने के मद्देनजर कहा है कि भारत हताशा में की गई उकसावे की कार्रवाई से डरने वाला नहीं है। दूतावास ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उसने कायरतापूर्ण विरोध प्रदर्शन का ऑपरेशन सिंदूर के साथ दृढ़ता से जवाब दिया। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में किए गए आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचों पर सटीक हमले किए थे। पोस्ट में कहा गया है, पुर्तगाल में भारत के दूतावास ने हमारे कार्यालय के पास पाकिस्तान द्वारा आयोजित कायरतापूर्ण विरोध प्रदर्शन का ऑपरेशन सिंदूर के साथ दृढ़ता से जवाब दिया। उसने कहा, भारत हताशा में की गई इस तरह की उकसावे भरी कार्रवाई से नहीं डरेगा। हमारा संकल्प अटल है। पोस्ट में दूतावास की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुर्तगाल सरकार और पुलिस के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया है। पुर्तगाल में भारत के राजदूत पुनीत कुंडल ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि प्रदर्शनकारियों को हमारी ओर से मौन लेकिन मजबूत एवं दृढ़ संदेश मिला कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, दूतावास के सभी अधिकारी इस दृष्टिकोण पर अडिग थे।